SET – 3

Series : GBM/C

कोड नं.
Code No. 2/3

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) इस प्रश्न–पत्र में 14 प्रश्न हैं ।

*(ii) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।

खंड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

किसी देश का लोक जागरूक हो इसके लिए उसका चिंतनशील, संवेदनशील, अनुभवी, शक्तिशाली और क्रियाशील होना आवश्यक है । ये सभी गुण तभी आते हैं, जब लोग समाज के सामने आने वाली समस्याओं पर सोचते हैं, विचारते हैं और समाधान के नए-नए उपाय खोजते हैं । यदि किसी लोकतंत्र के लोग अपनी-अपनी घरेलू या व्यावसायिक समस्याओं से अलग कुछ सोच ही न पाते हों तो वहाँ लोकतंत्र कभी सफल नहीं हो सकता । यदि भारतीय जन भारत में फैले आतंकवाद पर, भ्रष्टाचार पर, संस्कारों पर, दूरदर्शन के कार्यक्रमों पर, नए फैशन पर, नई बीमारियों पर या नई जीवन शैलियों पर कोई मत ही नहीं रखते तो वे अपना तंत्र कैसे स्थापित करेंगे ? भारत का समाज आज लिंग-भेद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद जैसे मुद्दों पर अनेक समस्याएँ झेल रहा है । इन पर लोकमत जानने और बनाने का काम मीडिया के हाथों में है ।

प्रश्न यह है कि मीडिया के विविध रूप भारत के लोकमानस को शिक्षित, संस्कारित और जाग्रत करने के लिए क्या कर रहे हैं ? मीडिया का एक काम है – जनता को अधुनातन जानकारियों से युक्त बनाना । इस काम में हमारे अनेक निजी तथा सरकारी चैनल प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं । वे लोकमन को छूती हुई सामान्य से लेकर नई घटनाओं को हमारे सामने प्रस्तुत कर रहे हैं । परंतु कुछ समाचार-पत्र और चैनल जानबूझ कर सनसनी फैलाने वाली सूचनाओं द्वारा जनता को क्षुब्ध, आतंकित या भयभीत कर रहे हैं । उन पर श्लीलता-अश्लीलता तथा गोपनीयता की सभी सीमाओं को लाँघने का भी आरोप लगता रहता है । इस पर संयम रखना स्वयं मीडिया-कर्मियों का दायित्व है । कभी-कभी वे ऐसी सामग्री प्रदर्शित करते हैं जो शत्रुदेश के लिए हितकर हो सकती है या कभी जातीय विद्वेष भड़क सकता है । ऐसी भूमिका देश हित में नहीं हो सकती इसलिए उससे बचना चाहिए ।

मीडिया की सर्वाधिक प्रभावी भूमिका विभिन्न चर्चाओं, वाद-विवादों, साक्षात्कार या सर्वेक्षणों के माध्यम से पूरी होती है । जब आतंकवाद, भ्रष्टाचार. विदेश नीति, परमाणु-बिजली, अर्थव्यवस्था जैसे प्रबल मुद्दों पर जनता और विशेषज्ञ अपनी राय देते हैं तो जनता का भी 'मन' जाग्रत होता है । यही लोक-इच्छा लोकतंत्र को मज़बूत करती है ।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

(ख) लोक की जागरूकता से क्या तात्पर्य है ? इसके लिए क्या आवश्यक है ? **(2)**

(ग) लोकमत बनाने का मुख्य काम कौन करता है ? कैसे ? **(2)**

(घ) लोकतंत्र किसे कहते हैं ? वह कब असफल हो जाता है ? **(2)**

(ङ) मीडिया की अनुत्तरदायित्वपूर्ण भूमिका कब दिखाई पड़ती है ? **(2)**

(च) मीडिया की भूमिका कैसे कार्यक्रमों से पूरी होती है ? **(2)**

(छ) आज भारत का समाज किन समस्याओं से जूझ रहा है ? **(2)**

(ज) लोकतंत्र की स्थापना और विकास में मीडिया का क्या महत्त्व है ? **(2)**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

देश नहीं होता है केवल
सीमाओं से घिरा मकान
देश नहीं होता है कोई
सजी हुई ऊँची दूकान
देश नहीं क्लब जिसमें बैठे
करते रहें सदा हम मौज
देश नहीं होता बंदूकें
देश नहीं होता है फौज
जहाँ प्रेम के दीपक जलते
जहाँ इरादे नहीं बदलते
हर दिल में अरमान मचलते
सज्जन सीना ताने चलते,
        वही हुआ करता है देश ।
पहले हम खुद को पहचानें
फिर पहचानें अपना देश
एक दमकता सत्य बनेगा,
नही रहेगा सपना देश ।।

(क) कवि के विचार में किन बातों को देश नहीं माना जा सकता ?

(ख) देश की पहचान क्या है ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए “जहाँ प्रेम के दीपक जलते, जहाँ इरादे नहीं बदलते” ।

(घ) बंदूकों और फौजों का होना कब सार्थक है ?

(ङ) आपके विचार से खुद को पहचानना क्यों महत्त्वपूर्ण है ?

खंड – ख

3. निम्नांकित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **5**

   (क) अबला नहीं, सबला है नारी

   (ख) महाशक्ति के रूप में उभरता भारत

   (ग) मेरा प्रिय कवि

   (घ) मैं और मेरा देश

4. आतंकवादी गतिविधियों की वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और दो समाधान भी सुझाइए । **5**

   अथवा

   किसी राजमार्ग पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर तत्काल सहायता न मिलने की समस्या पर पत्र लिखते हुए परिवहन अधिकारी को सुझाव भी दीजिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

   (क) संदेह करना पत्रकार के स्वभाव में क्यों आवश्यक है ?

   (ख) 'डेस्क' किसे कहते हैं ?

   (ग) 'एंकर बाइट' क्या है ?

   (घ) अंशकालिक पत्रकार से क्या आशय है ?

   (ङ) सम्पादकीय किसे कहते हैं ?

6. 'वनों की उपयोगिता' **अथवा** 'महानगरीय प्रदूषण' पर एक फीचर लिखिए । **5**

7. 'नारी सुरक्षा' अथवा 'बदलते जीवन मूल्य' विषय पर आलेख लिखिए । **5**

खंड – ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 4 = 8**

   आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
   जोर ज़बरदस्ती से
   बात की चूड़ी मर गई
   और वह भाषा में बेकार घूमने लगी ।
   हारकर मैंने उसे कील की तरह
   उसी जगह ठोंक दिया ।

(क) बात की चूड़ी मरने का क्या आशय है ?

(ख) 'बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं' – टिप्पणी कीजिए ।

(ग) अभिव्यक्ति में भाषा कब बेकार हो जाती है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – "हारकर मैंने उसे कील की तरह, उसी जगह ठोंक दिया ।"

अथवा

अर्ध राति गए कपि नहिं आयउ । राम उठाइ अनुज उर लायउ ।।

सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ । बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ ।।

मम हित लागि तजेहु पितु माता । सहेहु बिपिन हिम आतप बाता ।।

सो अनुराग कहाँ अब भाई । उठहु न सुनि मम बच बिकलाई ।।

जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू । पिता बचन मनतेउँ नहिं ओहू ।।

(क) "कपि" कहाँ गए थे ? उनके न आने से चिंता बढ़ने का क्या कारण है ?

(ख) "सो अनुराग" – राम किसके और कैसे अनुराग की बात कर रहे हैं ?

(ग) "राम किस स्थिति में पिता का वचन न मानने की बात कहते हैं" ? इसकी संभावना पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

(घ) राम के मत में लक्ष्मण द्वारा किए गए त्याग और कष्ट सहन की चर्चा कीजिए ।

9. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : **3 × 2 = 6**

(क) विप्लव के बादल का स्वागत कौन-सा वर्ग करता है और क्यों ?

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज कविता' कुछ लोगों की संवेदनहीनता प्रकट करती है, कैसे ?

(ग) भोर के नभ को राख से लीपा चौका क्यों कहा गया है ?

10. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **2 × 3 = 6**

प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भए बानर निकर ।

आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ बीर रस ।।

(क) काव्यांश का भाव सौंदर्य लिखिए ।

(ख) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

(ग) भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 4 = 8**

इस दंड विधान के भीतर कोई ऐसी धारा नहीं थी जिसके अनुसार खोटे सिक्कों की टकसाल-जैसी पत्नी से पति को विरक्त किया जा सकता । सारी चुगली-चबाई की परिणति, उसके पत्नी-प्रेम को बढ़ाकर ही होती थी । जिठानियाँ बात-बात पर धमाधम पीटी-कूटी जातीं; पर उसके पति ने उसे कभी उँगली भी नहीं छुआई । वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था । इसके अतिरिक्त परिश्रमी, तेजस्विनी और पति के प्रति रोम-रोम में सच्ची पत्नी को वह चाहता भी बहुत रहा होगा, क्योंकि उसके प्रेम के बल पर ही पत्नी ने अलगौझा करके सबको अँगूठा दिखा दिया । काम वही करती थी, इसलिए गाय-भैंस, खेत-खलिहान, अमराई के पेड़ आदि के संबंध में उसी का ज्ञान बहुत बढ़ा-चढ़ा था ।

(क) खोटे सिक्के की टकसाल किसे कहा गया है और क्यों ?

(ख) लछमिन को ग्रामीण जीवन का अधिक ज्ञान क्यों था ?

(ग) किन गुणों के कारण पत्नी पति की प्रेम पात्र थी ?

(घ) अलगौझा किसे कहते हैं ? लछमिन ने अलगौझा क्यों करवा लिया ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए । **3 × 4 = 12**

(क) भक्तिन के स्वभाव की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ख) डॉ. आंबेडकर जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे क्या तर्क देते हैं ?

(ग) लेखक को क्यों लगता है कि शिरीष एक अद्भुत अवधूत है ?

(घ) "बाज़ार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता, वह देखता है सिर्फ़ उसकी क्रय-शक्ति को" । – टिप्पणी कीजिए ।

(ङ) "पहलवान की ढोलक" के आधार पर भारतीय गाँवों की दीनता और असहायता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

13. आपके विचार से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक तथा दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का ? जीवन-मूल्यों के संदर्भ में तर्क सहित उत्तर दीजिए । **5**

14. (क) यशोधर बाबू के जीवन को दिशा देने में किसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी ? कैसे ? **5**

(ख) "टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुये पहलुओं के जीवंत दस्तावेज भी होते हैं ।" कैसे ? 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **5**